Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.08, March, 2024**

An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

Knowledgeable Research

ISSN 2583-6633

Vol.02, No.08, March, 2024

http://knowledgeableresearch.com/

भारत में क्रिप्टो करेंसी: चुनौतियां एवं संभावनाएं

डा॰ राम शंकर पाण्डेय

असिस्टेंट प्रोफेसर अर्थशास्त्र विभाग

एस.एस. कालेज शाहजहाँपुर

dr.ramshankarpandey@gmail.com

****

dr.ramshankarpandey@gmail.com

शोध सार:- *वर्तमान समय में तकनीकी प्रगति ने मानव को इंटरनेट उपयोग करने के लिए विवश कर दिया है इंटरनेट का प्रयोग व्यक्तिगत कार्यों के अतिरिक्त वित्तीय क्षेत्र में भी अनिवार्य रूप से आवश्यक हो गया है आर्थिक जगत में आम जनता से लेकर व्यापारी कर्मचारी एवं उद्योगपति एक नई मुद्रा इसका नाम क्रिप्टो करेंसी है में अधिक लाभ हेतु प्रयोग कर रहे हैं। सामान्य शब्दों में कहा जाता है कि क्रिप्टो करेंसी एक डिजिटल मुद्रा है इसका उपयोग इंटरनेट के माध्यम से विभिन्न व्यापारियों एवं निवेशकों द्वारा विनिमय या लेनदेन हेतु किया जाता है इसके विनिमय के लिए किसी मध्यस्थ बैंक, वित्तीय संस्थान, केंद्रीय प्राधिकरण, की आवश्यकता नहीं होती है इस प्रक्रिया में कम लागत कम समय और स्थानांतरण आसानी से हो जाता है ।आज विश्व के साथ भारत में भी क्रिप्टो करेंसी का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है जानकारों का मानना है कि यह मुद्रा भविष्य में अधिक लोकप्रिय और लाभ देने वाली सिद्ध होगी। यह शोध पत्र भारत में क्रिप्टो करेसी के फायदे नुकसान और संभावनाओं पर आधारित है, जिसमें हम अध्ययन करेंगे कि इसके लिए भारत सरकार की प्रक्रिया सकारात्मक अथवा नकारात्मक है, आदि।*

मुख्य शब्द:- *प्रौद्योगिकी अवधारणा,केंद्रीय प्राधिकरण, सकारात्मक, नकारात्मक, मुद्रा स्फीति, ई- भुगतान, प्रत्यक्ष कर।*

****

प्रस्तावना:- मनुष्य के द्वारा इंटरनेट का आविष्कार एक ऐसी तकनीक है जो आर्थिक या वित्तीय क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका अदा कर रहा है इसे वर्तमान में क्रिप्टो करेंसी या डिजिटल मुद्दा के नाम से जाना जाता है। सामान्य शब्दों में क्रिप्टो करेंसी एक ऐसी मुद्रा है इसका प्रयोग वर्तमान में व्यापारियों व्यवसाईयों एवं निवेशकों द्वारा किया जा रहा है।

फॉक्स पत्रिका के अनुसार ‘‘क्रिप्टो करेंसी एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल मुद्रा है जिसका दो पक्षों के बीच विनिमय या आदान-प्रदान बिना किसी मध्यस्थ के किया जाता है।‘‘

Author Name: डा॰ राम शंकर पाण्डेय
Received Date: 08.03.2024
Publication Date: 24.03.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.08, March, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

यदि हम इसके प्रचलन इतिहास का अवलोकन करें तो ज्ञात होता है कि क्रिप्टो करेंसी तब अस्तित्व में आई जब एक जापानी सतोशी नाकामोटो ने वर्ष 2008 में एक पेपर जिसका नाम बिटकॉइन -ए-पीयर- टू- पीयर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम था एने एक शोध पत्र प्रकाशित कराया था यदि हम बात यह संबंध में बात करें तो पता चलता है कि भारत में इंटरनेट की लोकप्रियता के कारण इस मुद्रा का तेजी से विस्तार हुआ।

अध्ययन के उद्देश्य:- भारत में क्रिप्टो करेंसी चुनौतियां एवं संभावनाएं नामक शोध पत्र को पूर्ण करने के लिए मैं निम्नलिखित उद्देश्यों का चयन किया है-

1. क्रिप्टो करेंसी क्या है
2. क्रिप्टो करेंसी कैसे कार्य करती है
3. क्रिप्टो करेंसी के उपयोग पर प्रकाश डालना
4. क्रिप्टो करेंसी के क्या फायदे हैं
5. क्रिप्टो करेंसी के संबंध में कौन-कौन सी चुनौतियां का सामना करना पड़ेगा

अध्ययन की सामग्री:- यह शोध पत्र पूर्ण रूप से द्वितीय आकड़ों पर आधारित है जिसे पूर्ण करने हेतु मैं विभिन्न समाचार पत्रों एपत्र पत्रिकाओए शोध जर्नलो और इंटरनेट का प्रयोग किया है।

फिएट और नॉन फिएट क्रिप्टो करेंसी:-

1. नॉन फिएट क्रिप्टो करेंसी को लेकर आरबीआई के साथ सरकारी भी समय-समय पर एडवाइजरी जारी कर ती हैं। यदि आरबीआई द्वारा कोई आभासी मुद्रा जारी की जाती है उसे फिएट क्रिफ्टो करेसी कहा जाएगा।
2. नान-फिएट क्रिप्टो करेसी जैसै कि बिटकॉइन एक निजी क्रिप्टोकरंसी है जबकि फीट क्रिप्टोकरंसी डिजिटल मुद्रा है इसका संचालन देश का केंद्रीय बैंक करता है।

क्रिफ्टो करेंसी के लाभ:-

1 भारत में नगदी संचालन में भारतीय रिजर्व बैंक और व्यापारिक बैंकों का वार्षिक खर्च लगभग 21000 करोड रुपए आता है इसलिए इस मुद्रा का प्रयोग कैशलेस अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस खर्च के द्वारा अन्य विकास कार्य किया जा सकते हैं।

2. वर्ष 2008 की आर्थिक मंदी का सबसे बड़ा कारण बैंकों का दिवालियापन हो जाना था अतः वित्तीय समावेशन में इसकी अहम भूमिका है।

3. क्रिप्टो विकेंद्रीकृत है जो मध्यस्थ की आवश्यकता को समाप्त करता है।

Author Name: डा॰ राम शंकर पाण्डेय
Received Date: 08.03.2024
Publication Date: 24.03.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.08, March, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

4. क्रिप्टो करेंसी लेनदेन निजी और सुरक्षित है।

5. क्रिप्टो का उपयोग कोई भी इंटरनेट कनेक्शन और कंप्यूटर के साथ कर सकता हैए खाता खोलने की प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक है।

6. क्रिप्टो करेंसी से मुद्रास्फीति को रोका जा सकता है।

क्रिप्टो करेंसी के नुकसानः-

1. क्रिप्टो करेंसी में किया गया लेनदेन सरकार से छिपा रहता है इससे अवैध ट्रांजेक्शन होने का अधिक अनुमान है।
2. इसमें गलत या भूल बस किया गया ट्रांजैक्शन वापस नहीं हो पाता।

3. सभी व्यापारी क्रिप्टो करेंसी स्वीकार नहीं करते।

4. उच्च स्थिरता निवेशकों को मायूस करती है क्योंकि इसमें समय के साथ संपत्ति का मूल्य कम हो सकता है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का उदयः-

भारत में कोविड-19 महामारी एक प्रकोप के कारण लोगों का बड़ी मात्रा में मौद्रिक नुकसान हुआ सरकार की नीतियां निवेशकों को राहत देने में विफल रही बिटकॉइन आदि का रिटर्न भारतीय बैंकों द्वारा प्रदान किए जाने वाले ब्याज की तुलना में अधिक है जिसके कारण लोगों का रुझान क्रिप्टोकरंसी की तरफ बढ़ा।

क्रिप्टो करेंसी के संबंध में चुनौतियांः-

प्रारंभ में क्रिप्टो करेंसी तथा इसके पीछे की तकनीक की जानकारी बहुत ही कम लोगों को थी लेकिन जब मुद्राओं की वैधता की बात आती थी तो लोगों को इस पर विश्वास नहीं हो पता था क्योंकि लोगों का मत था कि इस करेंसी का उपयोग अनेक प्रकार के अवैध व्यापार में किया जाता है वर्तमान में अनेक देशों में विनिमय के माध्यम के रूप में इसके उपयोग के प्रति तटस्थ हैं कुछ देशों में इसके उपयोग पर प्रतिबंध है भारत में क्रिप्टो करेंसी पर प्रतिबंध लगाने या ना लगाने में काफी विचार विमर्श के बाद आशा जनक कदम उठाए हैं।

भारत में क्रिप्टो करेंसी की यात्राः-

भारत में अनुमान है कि 97.5 मिलियन लोग जो कि भारत की कुल आबादी का 7.1 प्रतिशत है वर्तमान में क्रिप्टो करेंसी के मालिक हैं 2021 तक यह अनुमान लगाया गया कि भारत में 59 प्रतिशत क्रिप्टो करेंसी उपयोगकर्ता पुरुष हैं हालांकि 2020 से 2021 तक महिला उपयोगकर्ताओं की संख्या में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है भारत के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज वजीर एक्स के अनुसार 66 प्रतिशत उपयोगकर्ता 35 वर्ष से कम उम्र के हैं और उन्होंने 2021 में अपने प्लेटफार्म का उपयोग करने के लिए साइनअप करने वाली महिला उपयोगकर्ताओं में 100 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रगति हुई है उससे ज्ञात होता हैए कि भारतीय भी तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी उन्नति की ओर बढ़ते जा रहे हैं वर्ष 2019.20 में कोविड के दौरान इंटरनेट का प्रयोग सबसे अधिक भारतीयों ने किया इसी कारण लोगों का ध्यान क्रिप्टो करेंसी की तरफ गया आंकड़ों के अनुसार क्रिप्टो करेंसी के क्षेत्र में अब तक 15 मिलियन से अधिक लोग निवेश कर चुके हैं भारत में निम्न क्रिप्टो करेंसी संचालित हैः-

Author Name: डा॰ राम शंकर पाण्डेय
Received Date: 08.03.2024
Publication Date: 24.03.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.08, March, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

1. बिटकॉइन (BTE) 2. टीथर (USDI) 3. रिप्पल (XRP)

4. शीबा इनु (SHIB) 5. लाइट कॉइन (LTC) 6. एलोंड (USDC)

7. इथरम (ETH) 8. यू. एस. डी. कॉइन (USDC) 9. दोगे कॉइन (DOGECOIN)

वर्ष 2020 के आंकड़े बताते हैं कि 1.50 लाख से 2 करोड रुपए तक का निवेश भारतीयों ने किया 2021 में भारतीयों द्वारा अधिक पसंद किए जाने के कारण वर्तमान में 0.37 सूचकांक के स्कोर के कारण वियतनाम के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है क्रिप्टो करेंसी की भारतीय यात्रा निम्न हैः-

1. 2013 में भारत में क्रिप्टो करेंसी निवेश बढ़ाने पर आरबीआई ने चेतावनी जारी की यह ई भारत में अवैध नहीं है।

2. मार्च 2018 में केंद्रीय डिजिटल कर बोर्ड ने आभासी मुद्राओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए योजना प्रस्तुत की जिसके कारण ट्रेंडिंग वॉल्यूम 99 प्रतिशत तक गिर गया परंतु आवासीय मुद्राओं पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया।

3. वर्ष 2019 में आरबीआई ने क्रिप्टो करेंसी के ट्रेडिंग मीनिंग होल्डिंग या उपयोग को भारत में वित्तीय जुर्माना और 10 वर्ष तक के कारावास की व्यवस्था की।

3. बस 2020 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने आरबीआई द्वारा क्रिप्टो करेंसी पर आरोपित प्रबंध को निरस्त कर दिया।

4. 2022 में भारत सरकार ने बजट में उल्लेख किया की आबादी मुद्रा संपत्ति का स्थानांतरण 30 प्रतिशत कर कटौती के अधीन होगा।

5. जुलाई 2022 में आरबीआई ने देश के मौद्रिक और राजकोषीय स्वास्थ्य पर क्रिप्टो करेंसी के स्थिर करी प्रभावों के कारण इस पर प्रतिबंध लगाने की अनुशंसा की।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभावः-

आज भारत विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश है बीते वर्षों में भारतीय वित्तीय बाजार में जितना बदलाव आया है वह देश के लिए पुनर्जागरण के लिए अतिरिक्त और कुछ नहीं है यहां की लगभग 80 फीसदी जनसंख्या इंटरनेट और वेब सेवाओं का प्रयोग कर रही है जिनके लिए क्रिप्टो करेंसी की अवधारणा नई नहीं है बिटकॉइन और अन्य प्रकार के टोकन के साथ-साथ सभी प्रकार की क्रिप्टोकरंसी का उपयोग वर्ष 2012 से किया जा रहा है वर्तमान में व्यापारिक गणों ने बिटकॉइन के माध्यम से भुगतान स्वीकार करना शुरू कर दिया है हालांकि सरकार के द्वारा समय-समय पर व्यवसाययों के लिए दिशा निर्देश जारी किए जा रहे हैंए डिजिटल साक्षरता से नए भारत में वित्तीय जागरूकता उत्पन्न होगी भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान की जाएगी अर्थव्यवस्था में व्याप्त अनेक बुराइयों जैसे भ्रष्टाचार का खात्मा एवम पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा। क्रिप्टो

Author Name: डा॰ राम शंकर पाण्डेय
Received Date: 08.03.2024
Publication Date: 24.03.2024

Knowledgeable Research *ISSN 2583-6633* **Vol.02, No.08, March, 2024**
An International Peer-Reviewed Multidisciplinary Journal

करेंसी पर लगाए गए कर से आयकर को प्रत्यक्ष कर की बड़ी राशि प्राप्त होगी जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था का समग्र विकास होगा।

निष्कर्ष: भारत सरकार को पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाए क्रिप्टो करेंसी को विनिर्मित करने के लिए वैधानिक कानून बनना चाहिए जिससे इसे सुरक्षित पारदर्शी एवं भरोसेमंद बनाया जा सके भारतीय नागरिकों को अनेक जानकारियां उपलब्ध कराई जाए भारत जैसी सबसे अधिक आबादी वाली विकासशील अर्थव्यवस्था में क्रिप्टो करेंसी का भविष्य ई-बिजनेसए ई-निवेशए और ई-भुगतान के मामले में आशा जनक है परंतु यह आवश्यक है कि देश के विभिन्न वित्तीयए कानूनीए पहलुओं को ध्यान में रखते हुए क्रिप्टोकरंसी से संबंधित कानून बनाए जाएं ग्लोबल क्रिप्टो एडॉप्शन इंडक्शन के अनुसार भारत 2023 में क्रिप्टो करेंसी अपने के लिए तैयार सातवें सबसे बड़े देश के रूप में स्थान पर है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. क्रिप्टो करेंसी मास्टर- Yuri Singh

2. क्रिप्टो करेंसी और ब्लॉक चैन- संदीप बूरा।

3. क्रिप्टो करेंसी निवेश का अगला स्तर- बेन वॉकर।

4. बिटकॉइन के 10 साल- मंजीत विवाल।

5. क्रिप्टो करेंसी- डॉ. गिरीश वालावलकार।

6. नाकामोटी०एस० (2008) बिटकॉइन। ए-पीअर, टू-पियर इलेक्ट्रॉनिक कैश सिस्टम।

7. डॉ. अग्रवाल, शाह, एच. जे. और शिवकुमार एस.एस. (2020) द सैक्टिअर क्रिप्टो करेंसी सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव ऑफ सैक्शन इंडिया इंडियन जनरल ऑफ एप्लाइड रिसर्च के वाल्यूम 10 अंक 10।

10. योजना मासिक पत्रिका अप्रैल 2022।

11. दृष्टि 2022 वार्षिक करंट अफेयर्स।

Author Name: डा॰ राम शंकर पाण्डेय
Received Date: 08.03.2024
Publication Date: 24.03.2024